

वार्तालाप 895, दिगनेर (उ.प्र.), तारीख: 01.12.09
Disc.CD No.895, dated 01.12.09 at Dignare (Uttar Pradesh)

समय: 00.10–22.32

जिज्ञासु— बाबा, आज मुरली में आया है ये पिण्ड दान क्या होता है, बाबा?
 बाबा— भक्ति मार्ग में खास कर के हिंदुओं में कोई शरीर छोड़ते हैं, तो शरीर छोड़ने के बाद भी कुछ किया—कर्म किये जाते हैं। उनमें एक कर्मकांड है पिण्ड दान। गया में जा के खास पिण्ड दान करते हैं। नाम क्या रखा? 'गया'। माने पिण्ड छुटा। ऐसे न हो की भूत-प्रेत बन करके हमारे उपर आक्रमण करता रहे, हमारे परिवार के बाल-बच्चों को दुःखी करता रहे। इसलिए पिण्ड लगाये देते हैं। ये कर्मकांड चलते हैं भक्तिमार्ग में। वास्तव में तो जो भारतवासी है... भारत में ही हिंदुओं की संख्या ज्यादा है। वो भारतवासी तो देवताओं को मानने वाले हैं। या तो भगवान को मानते हैं या तो देवताओं को मानते हैं। देवताओं को इसलिए मानते हैं कि देवताओं में से ही कोई एक देवता निकलता है जो भगवान के स्तर तक पहुँच जाता है। कहते हैं परमपिता परमात्मा; कैसे आत्मा? जितनी भी पार्टधारी आत्मायें हैं, उनमें परम हीरो पार्टधारी आत्मा। इसलिए देवताओं को भी पूजते हैं। लेकिन दुसरे देशों में, दुसरे धर्मों में देवताओं को नहीं मानते हैं। वो फरिश्तों को मानते हैं।

Time: 00.10-22.32

Student: Baba, it has come in today's murli... what is this *pind daan* (offering of *pind*¹)?

Baba: When someone dies on the path of *bhakti* (devotion), especially among the Hindus, some rites and rituals are performed after death too. One of those rituals is *pind daan*. They perform *pind daan* especially after going to Gaya². What was the name given? Gaya (went). Meaning got rid of [him]! It shouldn't be so, that he (the dead person) keeps attacking us after becoming ghost and spirit. [It shouldn't be that] he keeps troubling the children of our family. That is why they offer *pind*. These rites and rituals are performed on the path of *bhakti*. In reality, the *Bharatvasi* (Indians)... The population of the Hindus is more only in India. Those Indians believe in the deities. Either they believe in God or in the deities. They believe in the deities because there is a deity from among the deities themselves who reaches the stage of God. They say, *Parampita Paramatma* (the Supreme Father Supreme Soul); what kind of a soul? [He is] a supreme hero actor among all the actor souls. That is why they worship the deities too. But they don't believe in the deities in other countries, in other religions. They believe in the angels (*farishta*).

किसको मानते हैं? जो भूत-प्रेत होते हैं, उनमें जो श्रेष्ठ आत्मायें हैं उनको कहते हैं 'फरिश्ता'। तो भूत-प्रेतों की मान्यता दुसरे धर्मों में है। वास्तव में ये भूत-प्रेत पूजा दुसरे धर्मों से हमारे भारत में आ गई है। हमारे भारतवासी भूत-प्रेतों को मानने वाले नहीं हैं। अब मानते हैं। जबसे ये विदेशी आये, विदेशियों के आक्रमण हुए, ये आतताई आए; इन आतताईयों ने आकर के भारत में ढेर की ढेर हत्यायें की। तो हत्या होने के बाद आत्मा की तो..... कहेंगे की अचानक शरीर छोड़ा। अकाले मौत हुई। ये अकाले मौत जैसे-जैसे बढ़ती जाती है वैसे-वैसे भूत-प्रेतों की संख्या भी बढ़ती जाती है। तो पण्डितों ने, आचार्यों ने एक अन्धश्रद्धा सिखाई कि इन भूत-प्रेतों से अगर छुटकारा पाना चाहते हो तो पिण्ड दान करो। पिण्ड छुट जायेगा।

¹ Cake or ball of meal, flour or rice offered to spirits of ancestors.

² An important place of Hindu pilgrimage in Bihar, in India.

Whom do they believe in? The elevated souls among ghosts and spirits are called angels. So, the ghosts and spirits are given importance in the other religions. In reality, this worshipping of the ghosts and spirits has come to our India from the other religions. Our Indians are not the ones who believe in the ghosts and spirits. Now they believe in them. Ever since these foreigners came, ever since the foreigners attacked [India], ever since these tyrants came; these tyrants came and killed many people in India. So, after being killed, a soul... It will be said that it left the body suddenly. He had an untimely death. The more the untimely deaths increase, the number of the ghosts and spirits increases to that extent as well. So, the *pundits* and holy men taught a blind faith: if you want to get rid of these ghosts and spirits perform *pind daan*. You will get rid [of them].

अब भक्तिमार्ग में जो जैसी भक्ति करता है, उसको वैसी प्राप्ति हो जाती है। हनुमान की भक्ति करता है, तो हनुमान का साक्षात्कार हो जाता है। गणेश की भक्ति करता है तो गणेश का साक्षात्कार हो जाता है। सर्प की भक्ति करता है, पूजा करता है नागपंचमी में, तो सर्प के रूप में कुछ न कुछ प्राप्ति होती है। लोग समझते हैं भगवान ने किया। वास्तव में ये सब अन्धश्रद्धा है। भगवान से प्राप्ति तो असली तब ही होती है जब भगवान प्रैक्टिकल में इस सृष्टि पर आता है और आ करके बताता है कि मेरी उपासना करने वालों मेरे से डायरेक्ट प्राप्ति करेंगे और देवताओं की उपासना करने वाले देवताओं से प्राप्ति करेंगे और भूत-प्रेतों की उपासना करने वाले भूत-प्रेतों से प्राप्ति करते हैं। तो ये प्राप्ति करने वालों की केटगरीज़ हैं। कोई डायरेक्ट भगवान के बच्चे हैं। भगवान से डायरेक्ट पढ़ाई पढ़ते हैं, भगवान से डायरेक्ट लेते हैं। कोई उनसे लेते हैं जिन्होंने भगवान से लिया है अर्थात् देव आत्माओं से लेते हैं। कोई देवताओं से भी नहीं लेते, भगवान से भी नहीं लेते; उन राक्षसी आत्माओं से लेते हैं जो राक्षसी कर्म करने वाले हैं। हत्यायें करना, जघन्य अपराध करना, जीवघात करना, ऐसे-ऐसे जो जघन्य पाप करते हैं, उनसे प्रभावित हो जाते हैं। अभी यहाँ शूटिंग हो रही है।

Now, whoever performs whatever kind of *bhakti*, they receive attainments accordingly on the path of *bhakti*. If someone worships Hanuman, he has visions of Hanuman, if someone worships Ganesh, he has visions of Ganesh. If someone worships snake during *Naagpanchami*³, he receives some or the other attainment from the form of a snake. The people think: God has done this. In reality, all this is blind faith. We receive true attainments from God only when He comes in this world in practical and tells [us] after coming: those who worship Me will receive attainments directly from Me, those who worship the deities will receive attainments from the deities and those who worship the ghosts and spirits will receive attainments from the ghosts and spirits. So, these are the categories of those who receive attainments. Some are the *direct* children of God, they study directly from God, they receive [attainments] directly from God. Some receive [attainments] from those who have received it from God i.e. they receive [attainments] from the deity souls. Some receive [attainments] neither from the deities nor from God, they receive [attainments] from those demonic souls who perform demonic actions. They become influenced by those who commit lowly sins like doing murder, performing lowly sins, committing suicide. Now, the *shooting* is taking place here.

क्या? हम ब्राह्मणों की दुनिया में अभी भी ये शूटिंग हो रही है। कोई तो भगवान को पहचान कर के एक भगवान का पल्ला पकड़ लेते हैं, पक्का निश्चयबुद्धि। दूसरे वो हैं जो देखा-दुनि

³ A Hindu festival when women worship snakes to obtain blessings on their children.

भगवान को मान तो लेते हैं। इतने मानते हैं—3; अच्छा हम भी, हम भी मान जाते हैं। लेकिन बुद्धि में अच्छी तरह से बात बैठती नहीं है। तो उनका काम होता है खुद निश्चयबुद्धि नहीं है, तो जहाँ उनका निश्चय बैठेगा, जहाँ श्रद्धा बैठेगी..... अरे, 63 जन्मों के हिसाब—किताब तो है ना हर आत्मा के? 63 जन्मों में हर आत्मा का कोई ना कोई तो ज्यादा नजदिकी रहा होगा। होगा या नहीं? कोई न कोई ज्यादा नजदिकी रहा है। तो जो आत्मा ज्यादा नजदिकी रही है वही शुटिंग पिरियड में यहाँ भी, उसकी ज्यादा नजदिकी रहेगी। तो भगवान के उपर अश्रद्धा पैदा करेंगे, संशय पैदा करेंगे। लेकिन उसके साथ निश्चय पैदा करेंगे। जैसे कि वही उनका भगवान हो गया। ऐसे—ऐसे होता रहता है। एक के उपर निश्चय बैठाना ये सबके बस की बात नहीं है। कोई फिर ऐसे होते हैं कि जन्म—जन्मांतर उन्होंने दुष्टों का ही संग किया है, आतताईयों का ही संग किया है, तो यहाँ भी शुटिंग पिरियड में वो आतताईयों का ही संग करेंगे, उन्हीं को मानेंगे।

What? This shooting is taking place in the world of us Brahmins even now. Some cling to one God for support after recognising Him; they become the ones having a faithful intellect. Others are those who do accept God on seeing others. [They think:] these many people accept [God]-3, alright I too accept. But the subject doesn't sit in their intellect nicely. So, their work is.... when they themselves are not the ones having a faithful intellect, then wherever they have faith, wherever they have belief.... Arey, every soul has its accounts of the 63 births, doesn't it? There must have been someone who has stayed close to every soul in the 63 births. There must have been someone or not? There must have been someone who has stayed closer. So, the soul who must have remained closer (in the 63 births), will remain closer even here in the *shooting period*. So, they will develop faithlessness, doubts on the Father, but will remain faithful to them. It is as if they themselves are God for him. It keeps happening like this. It is not in everyone's power to have faith on the One. Then some are such who have been only in the company of the wicked ones, of the tyrants for many births, so here in the shooting period as well, they will be in the company of the tyrants only, they will accept only them.

समय: 10.26—22.32

अभी भी देखने में आता है, खास कर के बेसिक में ये देखने में आता है कि तांत्रिकों की पूजा कर रहे हैं। तांत्रिक उन्हें कहा जाता है जो भूत—प्रेतों को कन्ट्रोल करते हैं। भूत—प्रेतों को मानते हैं। भगवान भूतनाथ आता है इस सृष्टि पर, उसको न पहचान पाने के कारण तांत्रिकों कि मनौती कर के भूत—प्रेत आत्माओं का आक्रमण उनके उपर कराते हैं। किसके उपर? भूतनाथ और भूतनाथ के बच्चों के उपर। इसलिये शिव कहो, रुद्र भगवान कहो; उसके 108 रुद्रगण गाये हुए हैं, रुद्रमाला; जिनकी यादगार है रुद्राक्ष की माला। वो रुद्राक्ष के मणके में एक मुख से लेकर के 14—14 मुख होते हैं। उनका नाम है रुद्राक्ष, माने उन सभी 108 मणकों में जो रुद्र है; शिव नहीं। कौन? रुद्र, जो रौद्र रूप धारण करता है, महाकाल; वो प्रवेश करता है 108 मणकों में।

Time: 10.26-22.32

...It can be seen even now; it can be seen especially in the basic (party) that they are worshipping the black magicians (*tantric*). Those who control the ghosts and spirits, who believe in them, are called black magicians. God, *Bhootnath*⁴ comes in this world; due to not

⁴ Lord of spirits; a title of Shankar.

being able to recognize Him, they persuade⁵ the black magicians and make the ghosts and spirits attack them. [They make them attack] whom? [They make them attack] *Bhootnath* and his children. That is why, call him Shiv or call Him God Rudra, his 108 *Rudragan* (followers of Rudra) are praised [as the] *Rudramala* (the rosary of Rudra), whose memorial is the rosary of *Rudraksha*⁶. There are 1 to 14 mouths on those beads of *Rudraksha*. Its name is *Rudraksha* meaning, among all the 108 beads the one who is Rudra; not Shiva; who? Rudra, the one who takes on a fierce form, *Mahakaal* (the great death) enters the 108 beads.

शिव तो एक ही मुकरर रथ में प्रवेश करता है। लेकिन शिव ज्ञान नहीं कहा जाता, ज्ञान यज्ञ। क्या कहा जाता है? रूद्र ज्ञान यज्ञ। शुरुवात होती है रूद्र ज्ञान यज्ञ से। यज्ञ के आदि में भी, अभी भी रूद्र ज्ञान यज्ञ चल रहा है। तो वो ही रूद्र 108 मणकों में प्रवेश करता है। फिर कोई-कोई मणके ऐसे होते हैं कि जिनमें भूत-प्रेत प्रवेश कर जाते हैं। क्या? ऐसे नहीं कि रूद्र ही प्रवेश करेगा। क्या? किसी में एक भूत, किसी में दो भूत, किसी में चार, किसी में 14-14 भी। इसलिए रूद्राक्ष के मणको में वो मुख दिखये जाते हैं; इतने-इतने मुख से बातें करते हैं। वो रूद्र के मणके, रूद्र के बच्चे हैं। महाकाल के बच्चे हैं। और वो महाकाल के बच्चे राजाई प्राप्त करने वाले बच्चे हैं। उनके उपर इतनी-इतनी प्रेत आत्माओं के आक्रमण होते हैं।

Shiva enters only the one permanent chariot, but *yagya* of knowledge is not called *Shiva gyan yagya* (the *yagya* of the knowledge of Shiva). What is called? *Rudra gyan yagya* (the *yagya* of the knowledge of Rudra). The beginning takes place with the *Rudra gyan yagya*. In the beginning of the *yagya* too... the *Rudra gyan yagya* is going on even now. So, that very Rudra enters the 108 beads. Then some beads are such in whom the ghosts and spirits enter. What? It is not that only Rudra will enter them. What? [There will be the entrance] of one ghost in some, [the entrance of] two ghosts in some, [the entrance of] four ghosts in some, in some [the entrance of] even 14 ghosts will take place. That is why those mouths are shown on the beads of *Rudraksha* [to symbolise] that they speak through these many mouths. They are the beads, the children of Rudra. They are the children of *Mahakaal*. And those children of *Mahakaal* are the children who achieve kingship. So many evil spirits attack them.

सोचो जरा कि जब दुनिया में बड़ी-बड़ी बिल्डिंगे टुटेंगी ताश के पत्तों की तरह। 100-100 मार के, 100-100 मंजिल से भी उपर के मंजिल के मकान बनाये हुए हैं। इस देश में भी, विदेश में भी बनते जा रहे हैं। एटम बम्ब फटेंगे, भूकम्प आयेगा, जमीन हिलेगी, हाल-डोल करेगी तो सारे गिरेंगी। कितने मनुष्य मरेंगे अचानाक। ये अचानाक मौत मरने वाले क्या बनेंगे? भूत-प्रेत बनेंगे। उनमें से जो पावरफुल-पावरफुल भूत-प्रेत होंगे, वो इन रूद्रमाला के मणकों में प्रवेश करेंगे। क्योंकि ये आसुरी शक्तियाँ रावण सम्प्रदाय हैं वो जान लेती हैं कि युद्ध विकराल है। भगवान का ज्ञान हमारे पल्ले नहीं पड़ेगा। हम इसको ग्रहण नहीं कर सकते। तो कम-से-कम जो देह अहंकार है, उस अहंकार के आधार पर रावण में जो काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, पांच विकार भरे हुए हैं उन शक्तियों के आधार पर तो हम आक्रमण कर सकते हैं। तो उन बी.के. वालों को भगवान तो नहीं मिलता है; कौन मिल जाते हैं? वो तांत्रिक मिल जाते हैं। वो आज के तांत्रिक नोटों के गडिडियाँ लेते हैं और काम करते हैं भूत-प्रेतों के द्वारा। उन्हीं को भगवान समझ लेते हैं।

⁵ Manauti-vow to propitiate by worship

⁶ A garland made of the beads of rudraksh, considered sacred in the path of bhakti.

Just think, when big buildings will collapse like a pack of cards in this world... buildings having hundred storeys or more than hundred storeys have been constructed. They are being constructed in this country as well as in the foreign countries. When the atom bombs explode, when earthquakes take place, when the earth starts shaking, then all [the buildings] will fall to the ground. So many people will die suddenly! What will those who die a sudden death become? They will become ghosts and spirits. The powerful ghosts and spirits among them will enter these beads of the *Rudramala*. It is because these demonic powers belong to the community of Ravan. They come to know that the battle is fierce. [They think:] we will not be able to understand the knowledge of God, we cannot assimilate it. So at least on the basis of the ego of the body; the five vices [i.e.] lust, anger, greed, attachment, ego which are filled in Ravan; on the basis of those powers we can attack them. So, those people in the BK [knowledge] don't find God anyway; whom do they find? They find those black magicians. Those black magicians of today take bundles of notes and work with the help of ghosts and spirits. They consider only them to be God.

अब क्या भूत-प्रेत भगवान होंगे? भूत-प्रेत भगवान नहीं हो सकते। भगवान तो... भाग्यवान को भगवान कहा जाता है। क्या? जिससे जास्ती भाग्यवान दुनिया में कोई हो नहीं सकता। वो निराकार शिव ज्योतिबिन्दु जिसमें प्रवेश करता है मुकर्रर रूप से, वो दुनिया का सबसे जास्ती भाग्यवान होता है। विश्व का बादशाह होता है। दुनिया में और कोई मनुष्य मात्र, कोई भी धर्म का फॉलोवर, कितनी भी ताकत लगाया हो बाहुबल की; हिटलर हो, नेपोलियन हो, मुसोलिनी हो, अलेक्सजेंडर हो, कोई भी विश्व के ऊपर कन्ट्रोल नहीं कर सका। ये तो एक ही शिवबाबा का बताया हुआ रास्ता राजयोग बल है जिसके आधार पर विश्व की बादशाही प्राप्त होती है। जो विश्व की बादशाही लेने वाला होगा वो इन भूत-प्रेतों से डरने वाला नहीं हो सकता। हाँ, जिन आत्माओं में वो भूत-प्रेत प्रवेश कर जाते हैं, वो प्रभावित हो सकती हैं। प्रभावित होती हैं तब तो उनमें प्रवेश होता है। अगर प्रभावित न हो तो वो भूत-प्रेत उनमें प्रवेश कर सकते हैं? नहीं कर सकते। तो, वो प्रभावित होने वाले जो भी रूद्रमाला के मणके हैं, वो एक को छोड़ कर हैं। एक मणका ऐसा है जो एक मुख वाला है, जिसके लिए भक्तिमार्ग में कहते हैं एक मुख वाला रूद्राक्ष का मणका किसीको मिलता ही नहीं। बिरले को मिलता है। बाकी जितने भी रूद्रमाला के मणके हैं कोई में दो, कोई में चार, कोई में चौदह भूत-प्रेत प्रवेश करते ही हैं। तो इनसे पिण्ड कैसे छुटे?

Now, will ghosts and spirits be God? The ghosts and spirits cannot be God. The fortunate one (*bhagyavan*) is indeed called God (*Bhagwan*). What? No one else can be more fortunate than him in the world. The one in whom that incorporeal point of light Shiv enters in a permanent way is the most fortunate one in the world. He is the emperor of the world. No other human being in the world, no follower of any religion, no matter how much physical power he might have used ... whether it is Hitler, Napoleon, Mussolini, Alexander no one could control over the world. It is only on the basis of the power of Rajyog, the way told by Shivbaba, that the kingship of the world is achieved. The one who will achieve the kingship of the world cannot be afraid of these ghosts and spirits. Yes, the souls in whom those ghosts and spirits enter can be influenced. They become influenced, only then do they (ghosts and spirits) enter them. Can ghosts and spirits enter them if they don't become influenced? They cannot. So, all the beads of the *Rudramala* are the ones who become influenced [by ghosts and spirits], except that one (bead). One bead is such who has one mouth. For which it is said on the path of *bhakti* that nobody finds the *Rudrakhsa* bead having one mouth. Rare people find it. As regards the remaining beads of the Rudramala, ghosts and spirits do enter them; two in some, four in some and fourteen in some. So, how will we get rid of them?

भक्तिमार्ग में तो लड्डु बनाय लिया और चढ़ाय दिया कहते हैं पिण्ड छुट गया। अब वो लड्डु थोड़े ही पिण्ड छुटाएगा। ये तो ऐसा ज्ञान का लड्डु है, जो गहराई से जो बुद्धि रूपी हाथों में धारण करेगा, उसी का छुटकारा होगा इन भूत-प्रेतों से, रावण सम्प्रदाय से, कंसी-जरासिंधी से, दुर्योधन-दुशासन से। नहीं तो छुटकारा होने वाला नहीं है। तो भक्ति मार्ग में तो जाते हैं गया में। क्या? (किसीने कहा- गया।) हाँ। ये गया में जाने की बात नहीं है। ऐसी ऊँची स्टेज में जो गया उसका ही पिण्ड छुटता है, नहीं तो पिण्ड छुटता नहीं। गया कौनसे स्टेट में है? बिहार में। वो बिहार है बाहार लाने वाला। पिण्ड छुटेगा तो बाहर आयेगी। सगंमयुग मौजों का युग बन जायेगा। इन भूत-प्रेतों से पिण्ड नहीं छुटेगा तो मौज नहीं आने वाली है ब्राह्मण जीवन में।

On the path of *bhakti*, they prepare a ball, offer it and say, we have got rid of them (ghosts and spirits). Now you cannot get rid of them by (offering) that ball. This is such a ball of knowledge that whoever assimilates it deeply in his hand like intellect, only he will become free from these ghosts and spirits, from the community of Ravan, from Kanshi and Jarasinidhi, from Duryodhan and Dushasan⁷. Otherwise you will not get rid of them. So, on the path of *bhakti* people go to Gaya. What? (Someone said-Gaya.) Yes. So, it is not about going to Gaya. The one who goes (*gaya*) in such a high stage, only he becomes free [from them], otherwise he cannot get rid of them (ghosts and spirits). Gaya is situated in which state? In Bihar. That Bihar is the one which brings splendor (*bahaar*). There will be splendor when you get rid of them. The Confluence Age will become an age of enjoyments. There won't be enjoyment in the Brahmin life if you don't get rid of these ghosts and spirits.

समय: 28.33-36.20

जिज्ञासु- बाबा, सूर्य जब उदय होता है तो लालीमा आती है और अस्त होता है तो...
बाबा- एक माता ने पूछा सूर्य जब उदय होता है तो भी लालीमा देखने में आती है पहले और जब सूर्य अस्त होता है तो भी अस्त होने के बाद; क्या देखने में आती है? लालीमा देखने में आती है। उसको कहते हैं उषा। क्या कहते हैं? उषा। भक्तिमार्ग में... ब्राह्मणों की भक्तिमार्ग की दुनिया में उषा के साथ उनके युगल का नाम क्या है? रमेश। रमेश कौन है? रमा ईश- दो शब्दों को मिलाया रमेश। कौन है रमेश? अरे। दक्षिण भारत है भारत का विदेश और उसकी राजधानी है माया की नगरी। बॉम्बे। जहाँ से ज्ञान के बम्ब फूटेंगे। इसलिए बोला, दिल्ली है स्थापनाकारी बम्बई है विनाशकारी। इसलिए उस नगरी का नाम क्या पडा? बॉम्बे।

Time: 28.33-36.20

Student: Baba, a red glow (*lalimaa*) appears when the Sun rises and when it sets....

Baba: A mother asked, when the Sun rises a red glow is visible at first and even after the Sun sets; what is visible? A red glow is visible. That (red glow) is called *Usha* (dawn). What is it called? *Usha*. On the path of *bhakti*... What is the name of Usha's partner in the world of the path of *bhakti* in the world of Brahmins? Ramesh. Who is Ramesh? After combining the two words, '*Rama*' '*eesh*' [we get the word] Ramesh. Who is Ramesh? Arey! South India is the foreign of India; and its capital is the city of Maya, Bombay, the place from where the bombs of knowledge will explode. That is why it was said, Delhi brings about establishment and Bombay causes destruction. That is why, what was the city named? Bombay.

⁷ Villainous characters in the epic Mahabharata.

तो बाप विदेशी बन करके आया है या स्वदेशी बनकर आया है? विदेशी बनकर आया है। उसकी राजधानी कहाँ है? अरे, राजधानी कहाँ है? (किसीने कुछ कहा) दिल्ली में? अरे, बाप विदेशी है, विदेशियों की राजधानी भारत के अंदर जो दक्षिण भारत, भारत का विदेश है उसकी राजधानी कौनसा शहर है? बॉम्बे। तो भक्तिमार्ग की दुनिया में ब्राह्मणों में दिखाया गया उषा-रमेश वहाँ के जो जड़ चित्र तैयार करते हैं। कैसे चित्र तैयार करते हैं? ढेर के ढेर जड़ चित्र तैयार कर दिये। तो ब्राह्मणों की ज्ञानमार्ग की दुनिया में कोई रमेश ऐसा होगा या नहीं जो चैतन्य चित्र तैयार कर दे। अरे, सैकड़ों चैतन्य चित्र तैयार होंगे या नहीं होंगे? होंगे।

So, has the Father come as a *videshi* (foreigner) or as a *swadeshi* (Indian)? He has come as a foreigner. Where is its capital? Arey, where is the capital? (Someone said something). Is it in Delhi? Arey, the Father is a foreigner; which city is the capital of the foreign of India, south India? Bombay. So, in the world of the path of *bhakti*, among the brahmins they have shown Usha and Ramesh are from that place, [they are the ones] who prepare inert pictures. What kind of pictures do they prepare? They prepared lots of inert pictures. So, in the world of the path of knowledge of the Brahmins, will there be a Ramesh like this who prepares living pictures or not? Hm? Arey, will numerous living pictures be prepared or not? They will [be prepared].

तो वो रमेश है रमा का ईश। रमा कहते हैं पार्वती को। रमा किसको कहते हैं? पार्वती को। उसका ईश कौन हुआ? शंकरजी। तो शंकरजी क्या हुआ? ज्ञान सूर्य और उनकी युगल का नाम उषा, लालीमा। तो जो बेहद की लालीमा उषा है वो कौनसी आत्मा है? त्रिमूर्ती का परिचय तो लिए सब बैठे हैं। (किसीने कुछ कहा) वो कह रही है बड़ी मम्मी। और बताओ। (किसीने कहा— छोटी मम्मी है।) इधर बुढ़िया ने कहा बड़ी मम्मी, इधर कहते हैं छोटी मम्मी। अब सच्चाई कौन है? भाई लोग बताये सच्ची क्या है। (किसीने कुछ कहा) माना छोटी माँ या बड़ी माँ? छोटी माँ।

So, that Ramesh is the *eesh* (controller) of Rama. Parvati is called Rama. Who is called Rama? Parvati; who is her controller? Shankarji. So, Shankarji is the Sun of knowledge. What is he? He is the Sun of knowledge; and the name of his partner is Usha, the red glow (*lalimaa*). So, the red glow in an unlimited sense, Usha; who is that soul? All are sitting [here] after taking the introduction of the Trimurty (the three personalities). (Someone said something). She is saying, the senior mother (*badi mammi*). Say some other (name). (Someone said: the junior mother). Here an old lady said, senior mother, [and] there someone says, junior mother. Now what is the truth? Brothers, speak up, what is the truth. (Someone said something). It means, is it the junior mother or the senior mother? The junior mother.

माना सनसेट पॉइन्ट की यादगार कहाँ बनी हुई है? माउन्ट आबू में। वो ज्ञान सूर्य जो ब्रह्मा के तन के द्वारा माँ के रूप में प्रकट हो रहा था वो माउन्ट आबू में अस्त हो गया 66, 68 के बीच में। तो जब ज्ञान सूर्य वो अस्त हुआ उस समय ब्राह्मणों की दुनिया से छोटी माँ ने बेसिक में जन्म लिया। क्या? तो अस्त हुआ तो उषा निकली या नहीं निकली? निकली। ऐसे ही ब्राह्मणों की दुनिया में सूर्य पहले उदय होगा या वो लालन पालन करने वाली लालीमा पहले उदय होगी? लालीमा उदय होगी। इसलिए ब्राह्मण बच्चों को अव्यक्त बापदादा ने डायरेक्शन दे दिया। क्या? अरे, सूर्य के पीछे मत पड़ो जलाय देगा जलाय। क्या? किसका आहवान करो? ज्ञान सूर्य का आहवान नहीं करो। मातायें किसका आहवान करती है? बाबा

आ जायें। तो अब किसका आह्वान करना है? (सभी ने कुछ कहा।) हाँ, उषा का आह्वान करो।

It means, where is the memorial of the *sunset point* made? At Mount Abu. That Sun of knowledge who was appearing in the form of a mother through the body of Brahma, set in Mount Abu around 66, 68. So, when that Sun of knowledge set, at that time the junior mother was born in the basic [knowledge] from the world of Brahmins. What? So, when he (the Sun of knowledge) set, then did Usha emerge or not? She did emerge. Similarly, in the world of Brahmins, will the Sun rise first or will that red glow (*lalimaa*) who sustains [the children] (*lalan palan karna*) emerge first? The red glow will rise first. That is why Avyakt Bapdada gave a *direction* to the Brahmin children; what? Arey, don't go after the Sun, he will burn you! What? Whom should you invoke? Don't invoke the Sun of knowledge. Whom do the mothers invoke? [They say:] "Baba should come". So, whom should you invoke now? (Everyone said something). Yes, invoke Usha.

पहले उषा उदय होगी फिर पीछे—2 अपने आप चले आयेंगे। दुनिया तो कहती है, ग्लानी करती है: शंकर पार्वती के ऊपर फिदा हुआ। ग्लानी करती है ना? अरे, शंकर पार्वती के पीछे नहीं फिदा होगा, तुम्हारे पीछे फिदा होगा क्या? ये तो अच्छी बात है कि हरेक व्यक्ति को अपनी चिरसंगनी के पीछे फिदा होना चाहिए कि दूसरों के पीछे फिदा होना चाहिए? अपनी चिरसंगिनी के पीछे फिदा होना चाहिए। तो अगर उषा का आह्वान कर लिया, उषा आ गई तो रमेशजी तो पीछे—2 अपने आप ही आ जायेंगे उनका आह्वान करने की दरकार नहीं होगी।

First Usha will rise, then? Then he will automatically come after her. The world indeed says, it defames [saying:] Shankar became devoted to Parvati. They defamed [him], didn't they? Arey, if Shankar does not become devoted to Parvati, will he be devoted to you? This is a good thing that every person should be devoted to his wife, or should he be devoted to [the wives of] others? He should be devoted to his own wife. So, if you invoke Usha; if Usha comes, Rameshji will automatically come after her, you won't have to invoke him.

समय: 36.20—40.06

जिज्ञासु— रामायण में भी, जन्म कोटी लगी रगर हमारी वरउ शम्भू न तो रहूँ कुवारी— ये आया है।

बाबा— ये आया है। तो अभी आप क्या चाहते हैं?

जिज्ञासु— कोटी जन्म लगी रगर हमारी वरउ शम्भू न तो रहूँ कुवारी।

बाबा— अब आप चाहते क्या है? ये तो आपने रामायण का फिकरा सुना दिया। आप क्या जानना चाहते हैं?

जिज्ञासु— पार्वती ने... नारद है और सप्त ऋषी से।

बाबा— हाँ—2 सप्त ऋषियों को बोल दिया। तो जो बोल दिया है उसमें आप क्या जानना चाहते हैं? (जिज्ञासु कुछ कह रहा है।) अरे, आपकी कुछ जानने की इच्छा है?

Time: 36.20-40.06

Student: This has been mentioned in the Ramayana too, *janm koti lagi ragar hamaari varau shambhu na to rahoon kuvari*⁸.

Baba: This has been mentioned. So now what do you want [to ask]?

⁸ It is my pledge for billions of births that either I will wed Shambu (Shankar) or I will stay a virgin.

Student: *Janm koti lagi ragar hamaari varau shambhu na to rahoon kuvari.*

Baba: Now what do you want [to ask]? This is a sentence of the Ramayana that you have mentioned. What do you want to know?

Student: Parvati.... to Narad⁹ and *Sapt Rishi* (the seven great sages).

Baba: Yes, she said this to the *Sapt Rishi*. So, what do you want to know about what she said? (Student is saying something). Arey, do you wish to know anything?

दूसरा जिज्ञासु— अभी आपने बोला ना कि शंकर पार्वती के ऊपर फिदा हुआ। तो ऐसे ही पार्वती शंकर के ऊपर फिदा हुई ऐसे लिखा है ना कि जन्म जन्म लगी रगर हमारी, वरु शम्भू न तो रहूँ कुवारी।

बाबा— तो एक दूसरे के ऊपर फिदा नहीं होना चाहिए? नहीं होना चाहिए? होना चाहिए। नहीं आपको कुछ और जानने की तो इच्छा नहीं है ना? आपने तो बात रामायण की बताई कि रामायण में ये बात कही गई क्योंकि रामायण तो लिखने वाला भगत है या खुद भगवान है? भगत है। भगत तो जानते ही नहीं कि 84 जन्म ही होते हैं। जानते हैं? भगत नहीं जानते 84 का ही चक्कर होता है। वो तो समझते हैं 84 लाख योनियों में भ्रमण करता है। इसलिए वो जन्म कोटी, करोड़ों जन्म तक हमारी यही रगड़ रहेगी बुद्धि में कि किसके साथ जन्म लूँ? शंकरजी के साथ मेरा जन्म हो सम्बन्ध जोड़ने के लिए। नहीं तो सारा जीवन मैं कुवारी ही रहूँ, सारा जीवन ब्रह्मचर्य का पालन करूँ। ऐसी उनकी प्रतिज्ञा थी।

Another Student: Baba, just now you said that Shankar became devoted to Parvati, didn't you? Similarly, Parvati became devoted to Shankar, it is written like this, *janm janm lagi ragar hamari varau shambhu na to rahoon kuvari.*

Baba: So, shouldn't they become devoted to each other? Shouldn't they become [devoted]? They should. You don't want to know anything else, do you? You have said a verse from the Ramayana that this was said in the Ramayana; because is the one who wrote Ramayana a devotee or God? He is a devotee. The devotees don't know at all that there are only 84 births. Do they know? The devotees don't know that there is a cycle of only 84 births. They think that [a soul] is born in 84 lakh species. That is why [it is said], *janm koti* (for a billion births); this alone will be the pledge in my intellect for a billion births, whom should I be born with? I should be born with Shankarji in order to establish a connection with him. Otherwise, I should remain a *kuvari* (unmarried) for my entire life; I should maintain celibacy for my entire life. Such was her pledge.

तो ये प्रतिज्ञा कहाँ की है? संगमयुग की प्रतिज्ञा है। ये प्रतिज्ञा तो अच्छी है ना, एक शिवबाबा दूसरा न कोई। अगर दूसरा कोई बना लिया या इच्छा कर ली तो जन्म जन्मांतर के सुख में कटौती हो जायेगी और तीसरा, चौथा बनाया तो और ज्यादा कटौती हो जायेगी और 84 जन्मों में 84 नये-2 बना लिए तो बहुत कटौती हो जायेगी। प्यूरिटी के आधार पर पीस एण्ड प्रॉस्पेरिटी प्राप्त होगी। ये प्यूरिटी का फिकरा बताय दिया बाबा ने— एक शिवबाबा दूसरा न कोई।

So, this pledge is of which time? This is a pledge of the Confluence Age. This is a good pledge, isn't it? One Shivbaba and no one else. If you make someone else [yours] or have a desire for it, then there will be a shortcoming in the happiness of many births, if you make a third and fourth person [yours], then there will be more shortcoming and if you make 84 [people yours] in 84 births, then there will be a great shortcoming. You will receive peace

⁹ Name of a sage (one of the four sons of Brahma), a devotee of Lord Vishnu.

and prosperity on the basis of purity. Baba has said this verse about purity, 'One Shivbaba and no one else'.

समय: 42.48-47.49

जिज्ञासु— बाबा ने बताया कि 16000 नस नाडियाँ जो विराट रूप धारण करती है। 8 हजार सुख का और 8 हजार दुख का। तो नाभी को काट देते हैं बाबा बताया न आपने...।

बाबा— हाँ, जो नाभी है उस नाभी को छेदन कर दिया रामायण में बताया। विभीषण ने ये राज़ बता दिया; क्या राज़ बताया? इसके सर काटते जाओ, नये—2 सर रावण के पैदा होते जायेंगे। क्या? भगवान आ करके इतना ज्ञान सुनाता है और इतना क्लियर कर देता है तो भी शंशय उठने वालों के, प्रश्न पैदा होने वालों के सिर; सिर के रूप में प्रश्न पैदा ही होते रहते हैं। उनके प्रश्न खत्म होते ही नहीं। जितने प्रश्नों का समाधान करो... इस सिर में से निकलते हैं न प्रश्न? प्रश्न कहाँ से निकलते हैं? सिर में से। तो जितने सर काटते जाओ उतने और ज्यादा पैदा होते जाते हैं।

Time: 42.48-47.49

Student: Baba said that the 16000 blood vessels that take on the cosmic form. 8 thousand play the part of happiness and 8 thousand play the part of sorrow..... Baba you said that the navel is cut, didn't you?

Baba: Yes. It is said in the Ramayana that the navel was pierced. Vibhishan¹⁰ revealed this secret. What secret did he reveal? If you go on cutting Ravan's heads, new heads will keep emerging. What? God comes and narrates so much knowledge and He makes it so clear, still the heads... the heads in the form of questions of those who develop doubts, of those who raise questions keep emerging. Their questions don't end at all. The more you solve the questions... Questions emerge from this head, don't they? From where do the questions emerge? From the head. So, the number of heads he went on cutting, new ones kept emerging to that extent.

तो तरीका बताया। क्या तरीका बताया? कि इस रावण की जो नाभी है उच्छेदन कर दो। इस नाभी कुंड में पीयूष, पवित्रता का पीयूष, अमृत कुंड है। कौनसा अमृत कुंड है? इसके हृदय में सीता बसी हुई है। क्या? उसको काट दो। वो अलग हो जायेगी तो ये खलास हो जायेगा। तो वो बापदादा ने आपको बताय दिया। ये बापदादा विभीषण का पार्ट बजाय रहा है। क्या? वि माना विशेष, भीषण माना भयंकर।

So, a method was told. What method was told? That destroy the navel of this Ravan. There is *piyush* (nectar), the nectar of purity, the pool of nectar in this navel. Which pool of nectar is it? He has Sita in his heart. What? Cut it off. If she becomes separated [from him], he will be finished. So, Bapdada has told you this. This Bapdada is playing the part of *Vibheeshan*. What? *Vi* means special (*vishesh*), *bheeshan* means fierce (*bhayankar*).

जो ब्रह्माकुमार कुमारी समझते हैं कि ब्रह्माबाबा हमारे लिए बड़े हेजे हैं; क्या? ब्रह्माबाबा ने हमको जितना प्यार दिया उतना दुनिया में कोई किसीको नहीं दे सकता, भले हमने ब्रह्माबाबा की घेंच काट डाली हो। क्या? उनका हार्ट फेल कर दिया हो लेकिन ब्रह्माबाबा जितना हमको प्यार करते हैं इतना कोई नहीं कर सकता। वो ही ब्रह्माबाबा विशेष भयंकर हो जाता है उनके लिए। जिन ब्रह्माकुमार कुमारियों ने ब्रह्मा जैसी कोमल आत्मा को इतना दुख दिया

¹⁰ Name of a brother of Ravan.

उनसे हिसाब किताब ब्रह्मा की सोल लेगी या नहीं लेगी? (सभी ने कहा— लेगी।) कब लेगी? सतयुग में जाके लेगी? अभी एक—2 का 100 गुना गिनायेगी; गिना रही है। जो भी वाक्य मुँह से बोले जा रहे हैं वो समझते ही नहीं हैं कि इनका अर्थ क्या है? जब समझेंगे तब जानेंगे कि ये तो हमारे लिए महाभयंकर है। वो बाबा राज बता रहा है हम बच्चों को। क्या? विजयमाला का आहवान करो।

The Brahmakumar - kumaris think, Brahma Baba favours us a lot; what? Nobody in the world can give as much love to anyone as Brahma baba gave love to us, although we have cut his.... What? Although we have caused him a heart failure, nobody can love us to the extent Brahma baba loves us. That same Brahma baba becomes especially fierce (*vishesh bhishan*) for them. The Brahma kumar-kumaris who gave such sorrow to such a gentle soul like Brahma; will the soul of Brahma settle accounts with them or not? (Everyone said: He will). When will he [settle accounts]? Will he settle it after going to the Golden Age? Now he will make each one suffer a hundred fold, he is making them suffer. The versions that are being spoken through his mouth; they don't understand what it means at all. When they understand they will know, he (Brahma baba) is very fierce fearsome for us. Baba is telling that secret to us children. What? Invoke the *Vijaymala*.

विजयमाला माने छोटी शहद की मक्खियों की रानी। शहद की मक्खियों का आहवान करना है तो क्या करना है? रानी मक्खी को बुला लो, पकड़ लाओ। वो पीयूष है नाभी कुंड में, अमृत कुंड है, पवित्रता का आगार है, पवित्रता का महाकुंड है। वो महाकुंड जब आ जायेगा तो रावण अपने आप मर जायेगा।

Vijaymala means the queen of the small honey bees. What should you do if you have to invoke the small honey bees? Call the queen been, catch her. She is the *piyush* (nectar) in the navel, she is the pool of nectar, she is the store of purity, she is the great pool of purity. When that great pool comes, Ravan will end automatically.

.....
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.